भ्रमण आख्या

भ्रमणकर्ता अधिकारी का नामः 1. डा0 बलजीत सिंह अरोड़ा, वरिष्ठ सलाहकार–एन0एच0एम0

2. कौशल सिंह बिष्ट, मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक, एम0एण्डई0–एन0एच0एम0

भ्रमण की तिथिः दिनांक 19 दिसम्बर 2016

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 के पत्रांक संख्या एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0एण्डई0/2016–17/04/8153 दिनॉक 16 दिसम्बर 2016 के निर्देश पर दिनॉक 19 दिसम्बर 2016 को 100 शैययायुक्त जिला संयुक्त चिकित्सालय, औरैया का भ्रमण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 राजीव रस्तोगी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (आर0सी0एच0) डा0 सुधाशु दीक्षित एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक, हास्पिटल प्रबंधक भ्रमण के दौरान उपस्थित थे।

भ्रमण के दौरान प्रकाश में आये हुए महत्वपूर्ण बिन्दूः

1. प्रातः ग्यारह बजे तक मात्र 90 रोगियों द्वारा ओ0पी0डी0 पर्चा बनवाया गया था। चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था असंतोषजनक पाई गई। बाल रोग विशेषज्ञ डा0 नवीन कुमार मिश्रा भ्रमण के दौरान चिकित्सालय में उपस्थित हुए। बाल रोग विशेषज्ञ कक्ष/सी0एम0एस0 कक्ष के बाहर 10 रोगी चिकित्सक का इंतजार कर रहे थे।
2. इंजेक्शन कक्ष में नीडल कटर नही पाया गया।
3. रोगी कल्याण समिति, जिला संयुक्त चिकित्सालय का गठन अब तक नही हुआ है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के अनुरोध पर जिला कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबंधक को एक सप्ताह में रोगी कल्याण समिति के गठन की कार्यवाही में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को सतत् सहयोग हेतु निर्देशित किया गया है।
4. चिकित्सालय में फर्नीचर का अभाव पाया गया। बताया गया कि चिकित्सालय हेतु बजट भी उपलब्ध नही है।
5. फार्मेसी में दवायें बिना स्टील रैक के जमीन में रक्खी हुई थी। चिकित्सालय में लिफ्ट क्रियाशील नही है।
6. महिला चिकित्सक डा0 ममता कुमार 05 दिसम्बर 2016 से चाईल्ड केयर अवकाश पर है।
7. उमरसाना गॉव से प्रसूता ममता का प्रसव प्रातः 06:15 बजे हुआ। प्रसूता 102 एम्बूलेंस से आई थी। प्रसूता के पास मातृ एवं शिशु प्रोटेक्शन कार्ड नही था। आशा कमलेश कुमारी भी प्रसूता के साथ थी। दोपहर एक बजे तक शिशु का बी0सी0जी0 टीकाकरण नही किया गया था।
8. स्थानीय व्यवस्था के अनुसार आर0आई0 ऑपरेटर जो जिला स्वास्थ्य समिति से कार्यरत है, को तीन दिन जिला संयुक्त चिकित्सालय में भी गर्भवती महिलाओं/प्रसूताओं को एम0सी0टी0एस0 नम्बर प्रदान करने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी, औरैया से निर्देशित किया गया है। एम0सी0टी0एस0 ऑपरेटर श्री ओम प्रकाश गुप्ता, जिला संयुक्त चिकित्सालय में उपस्थित नही थे। ऑपरेटर को बुलाया गया एवं निर्देशित किया गया कि सप्ताह में तीन दिन जिला संयुक्त चिकित्सालय, ककोर में एम0सी0टी0एस0 का कार्य करना सुनिश्चित करें।
9. चिकित्सालय में प्रसव रजिस्टर हाथ का बना हुआ पाया गया। जनपद स्तर पर रजिस्टर को छापा नही गया। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी आर0सी0एच0 को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह में प्रसव रजिस्टर को मानकानुसार जिला संयुक्त चिकित्सालय को उपलब्ध कराया जाये।

10. जिला संयुक्त चिकित्सालय, ककोर, औरैया में प्रसूता महिलाओं हेतु भोजन की व्यवस्था मुख्य चिकित्साधिकारी औरैया स्तर से नही की जा रही है। **माह अक्टूबर 2016 के पूर्व भोजन पर रू0 5,39,021 का व्यय किया गया जो कि डी0पी0एम0यू0 स्तर से जानकारी प्राप्त की गई।** माह दिसम्बर 2016 में चिकित्सालय में 21 प्रसव हुए है। दिनॉक 21 अक्टूबर 2016 से पी0पी0आई0यू0सी0डी0 में 03 केस दर्ज पाये गये।
11. चिकित्सालय में 17 स्टाफ नर्स तैनात है जिसमें 13 एजेंसी के माध्यम से है।
12. चिकित्सालय में दो होम्योपैथिक विधा की महिला चिकित्सक तैनात है किन्तु होम्योपैथिक दवाओं की उपलब्धता नही है। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी आर0सी0एच0 द्वारा बताया गया कि आयुष की दवायें क्रय नही की गई है। दवाओं की उपलब्धता हेतु निर्देशित किया गया। होम्योपैथिक महिला चिकित्सकों से प्रसव पूर्व जॉचे/ओ0पी0डी0 कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
13. जिला चिकित्सालय में तैनात एन0एच0एम0 स्टाफ का मासिक मानदेय मुख्य चिकित्साधिकारी औरैया कार्यालय स्तर से जारी किया जाता हैं। मानदेय वितरण हेतु राज्य स्तर से जारी दिशानिर्देश का अनुपालन किये जाने हेतु अपर मुख्य चिकित्साधिकारी आर0सी0एच0 को निर्देशित किया गया।
14. जिला संयुक्त चिकित्सालय में ए0एन0एम0 कक्ष में टीकाकरण किया जा रहा था। कक्ष में आई0ई0सी0 सामग्री का डिस्प्ले नही पाया गया। टीकाकरण हेतु वैक्सीन प्रतिदिन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र औरैया पी0पी0सी0 से जिला संयुक्त चिकित्सालय, ककोर ए0एन0एम0 द्वारा लाई जाती है। चिकित्सालय में डीप फ्रीजर की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। ए0एन0एम0 की अलमारी में 50 स्टराईल वाटर फार इजेंक्शन एक्सपायर पाई गई। स्टराईल वाटर फार इजेंक्शन का बैच नम्बर सी04111, निर्माण का वर्ष जनवरी 2007 एवं एक्सपायरी दिसम्बर 2011 थी। कक्ष में कोजक सीरींज लगभग तीन हजार से अधिक अलमारी के उपर पाई गई जिसका रैपर बुरी तरह सड चुका था। बैच नम्बर 3044J12 निर्माण का वर्ष जुलाई 2014 एवं एवं एक्सपायरी जून 2019 पाई गई। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी औरैया, से वार्ता होने पर पाया गया कि जनपद में सीरींज की कमी है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी औरैया इतनी अधिक मात्रा में सीरींज से अनभिज्ञ पाये गये। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि ए0एन0एम0 के कार्यो के प्रति लापरवाही पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।
15. उ0प्र0एड्स कण्ट्रोल सोसायटी की तरफ से दो परामर्शदाता जिला संयुक्त चिकित्सालय में तैनात है। परामर्श कक्ष में प्राईवेसी की व्यवस्था नही की गई। गर्भवती महिला का परामर्श सभी स्टाफ के सामने किया जा रहा था। परामर्शदाता को परामर्श के नियमों की जानकारी स्पष्ट नही थी। कक्ष में Rapid test kit for HIV I & II Alive Tincline TM के 30 किट बाक्स पाये गये जिनका लाट नम्बर 01047 निर्माण वर्ष 8 फरवरी 2016 एक्सपायरी दिनॉक 7 फरवरी 2018 एम0आर0पी0 रू0 3000 प्रति किट पाई गई। इस रेपिड किट को किसने मंगाया किसने भेजा की जानकारी चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अथवा चीफ फार्मेसिस्ट को नही थी। विस्तृत जानकारी एकत्रित करने हेतु निर्देशित किया गया।
16. ड्रेसिंग मैटीरियल को विसंक्रमित नही किया जा रहा था।
17. जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई द्वारा जनपद में वाहन संख्या UP 79 H 6113 का उपयोग किया जा रहा है। जो कि प्राईवेट चार पहिया वाहन है। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि डी0पी0एम0यू0 द्वारा वाहन का अनुबंध वाहन संख्या UP 78 CN 8123 से किया गया हैं, जो

टैक्सी परमिट वाहन है। डी0पी0एम0 द्वारा ऐसे क्यों किया जा रहा है पर डी0पी0एम0 संतोषजनक उत्तर नही दे सके।

18. वर्तमान में जिला संयुक्त चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के अतिरिक्त 11 चिकित्सक तैनात है। जिसमें 07 नियमित चिकित्सक, 02 आयुष महिला चिकित्सक, 1 डेण्टल चिकित्सक एवं 1 गायनी चिकित्सक तैनात है। चिकित्सालय औरैया कस्बे से 17 कि0मी0 दूर ग्रामीण क्षेत्र में बना है।
19. जिला संयुक्त चिकित्सालय तीन मंजिला बना हुआ है। चिकित्सालय में फर्नीचर, उपकरणों का अभाव पाया गया। जानकारी प्राप्त करने पर बताया गया कि महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश द्वारा पत्र संख्या 11फ/प्रस्ताव–44/2013/5771 दिनॉक 20 दिसम्बर 2013 द्वारा वित्तीय वर्ष 2013–14 में नवनिर्मित 100 शैयया संयुक्त चिकित्सालय, औरैया के उच्चीकरण हेतु उपकरणों/साज सज्जा सामग्री के क्रय हेतु प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति निदेशक चिकित्सा (उपचार) स्तर से निर्गत की गई थी। शासनादेश संख्या 2028/पांच–6–13–11 (उपकरण)/13 दिनॉक 11 दिसम्बर 2013 द्वारा नवनिर्मित 100 शैयया संयुक्त चिकित्सालय, औरैया पर परिधिगत अधिकारी स्तर द्वारा क्रय किये जाने वाले उपकरणो की सूची प्रेषित की गई थी **(संलग्नक एक)**। चिकित्सालय के उपकरणों एवं साज सज्जा मद हेतु रू0 दो करोड़ पचास लाख सत्तानबे हजार एक सौ पचास मात्र बजट स्वीकृत किया गया था। शासनादेश संख्या 2028/पांच–6–13–11 (उपकरण)/13 दिनॉक 11 दिसम्बर 2013 द्वारा नवनिर्मित 100 शैयया संयुक्त चिकित्सालय, औरैया पर निदेशक, केन्द्रीय औषधि भण्डार स्तर द्वारा क्रय किये गये उपकरणों (यथा रेडियोलॉजी इकाई, पैथालाजी, आई0सी0सी0यू0 वार्ड हेतु) को भी जिला संयुक्त चिकित्सालय में भेजा गया है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 राजीव रस्तोगी से पूछे जाने पर उक्त क्रय एवं साज सज्जा उपकरणों के बारे में अनभिज्ञता प्रकट की गई। चिकित्सालय में भ्रमण के दौरान उपकरणों एवं साज सज्जा में अत्यधिक कमियॉ पाई गई। चीफ फार्मासिस्ट श्री शिव कुमार सोनी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2013–14 में क्रय किये गये उपकरण एवं सामान, क्लाथ एवं डेड सामान पृष्ठ संख्या 1 से 397 तक अंकित स्टाक रजिस्टर में से मात्र क्रम संख्या 1 से 96 तक ही हस्तगत कराया गया है जिसमें कई उपकरण नही मिले है।**(संलग्नक दो)**। चिकित्सालय को क्रियाशील किये जाने हेतु वर्ष 2013–14 में स्थानीय स्तर पर क्रय किये गये उपकरणों/साज सज्जा सामान की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी अति आवश्यक है।
20. मुख्य चिकित्साधिकारी, औरैया डा0 विनोद सागर के साथ उक्त भ्रमण से संबंधित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई। मुख्य चिकित्साधिकारी, औरैया द्वारा अवगत कराया गया है कि जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के जनपद मुख्यालय से 20 कि0मी0 दूर होने के कारण सामंजस्य में अत्यधिक कमी हो रही हैं। सामन्जस्य न हो पाने का करण डी0पी0एम0 संतोषजनक उत्तर नही दे सके। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि डी0पी0एम0यू0 मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में शिफट हो जाये तो सामन्जस्य अच्छा बन सकता है।

भ्रमण से यह निष्कर्ष निकलता है कि:–

1. जिला संयुक्त चिकित्सालय, औरैया को क्रियाशील किये जाने हेतु वर्ष 2013–14 में परिधिगत अधिकारी द्वारा क्रय किये गये उपकरणों/साज–सज्जा के सामान की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु महानिदेशालय–चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से राज्य स्तरीय जॉच निदेशक स्तर के अधिकारी से कराये जानी चाहिए।

2. 100 बेड जिला संयुक्त चिकित्सालय, औरैया के रोगी कल्याण समिति के गठन की कार्यवाही जनपद औरैया के डी0सी0पी0एम0 के सहयोग से कराया जाना चाहिए।

3. डी0पी0एम0 औरैया को टैक्सी परमिट वाहन के साथ अनुबंध करके प्राईवेट वाहन का उपयोग करने पर लिखित स्पष्टीकरण लिये जाने हेतु महाप्रबंधक (एच0आर0) को निर्देशित किया जाना चाहिए। साथ ही प्रदेश के समस्त डी0पी0एम0 द्वारा प्रयोग किये जा रहे वाहनों की सूचना को भी संकलित किया जाना चाहिए।

4. मुख्य चिकित्साधिकारी औरैया के कार्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर डी0पी0एम0यू0 कार्यालय की स्थापना औचित्यपूर्ण प्रतीत नही होता है। अतः डी0पी0एम0यू0 कार्यालय को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में शिफ्ट किये जाने हेतु महाप्रबंधक (एच0आर0) को निर्देशित किया जाना चाहिए।

28/12/16

29.12.16